भिलाई इस्पात से बनी रेल की पटरियां

7139. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री जगन्नाथ राव जोशी :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुणा-मक्सी रेलवे लाइन के, जिस पर निर्माण कार्य चल रहा है दसवें और सोलहवें किलोमीटर के बीच कहीं 42-42 फुट लम्बी भिलाई इस्पात से बनी 200 रेल पटरियां गत वर्ष से मिट्टी के नीचे दबी पड़ी हैं और जंग से बेकार होती जा रही हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस के क्या कारण हैं ; और

(ग) सरकार ने इस संबंध में क्या कार्यवाही की है ?

रेलवे मंत्री (श्री वे० मु० पुनाचा) : (क) और (ख). इस लाइन पर रेल की कुछ नयी पटरियां निर्माण स्थल पर कि० मी० 10 के पास तथा कि०मी० 15 और कि० मी० 16 के बीच पड़ी हैं। परन्तु न तो वे दबी पड़ी हैं और न इन में जंग लगा है, बल्कि वे अच्छी तरह चट्टों मे रखी गयी हैं और अच्छी हालत में हैं।

(ग) सवाल नहीं उठता।

मालगाड़ी तथा मिलिटरी ट्रक के बीच टक्कर

7140. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चंडीगढ़ से पांच मील दूर एक क्रासिंग पर एक मालगाड़ी तथा मिलीटरी ट्रक के बीच टक्कर हो जाने के परिणामस्वरूप दो व्यक्ति मारे गये थे और तीन व्यक्ति जख्मी हो गये थे जैसा कि दिनांक 21 अप्रैल, 1967 के "नव भारत टाइम्स" में समाचार प्रकाशित हुआ था ;

(ख) यदि हां, तो इस दुर्घटना के क्या कारण थे ; और

(ग) इस के परिणामस्वरूप जान और माल का कितना नुक्सान हुआ ?

रेलवे मंत्री (श्री वे० मु० पुनाचा) : (क) और (ग). यह दुर्घटना 19-4-67 को हुई। इस दुर्घटना मे दो व्यक्ति मरे और चार घायल हुए। घायलों में से गाड़ी के फायरमैन सहित दो व्यक्तियों को गंभीर चोटें आयीं। रेल-सम्पत्ति को लगभग 19,450 रुपये की क्षति पहुंचने का अनुमान है।

(ख) दुर्घटना सैनिक ट्रक के ड्राइवर की लापरवाही के कारण हुई जिसने 'चेतावनी पट्ट; की ओर ध्यान नहीं दिया और उस समय रेल पथ को पार करने की कोशिश की जब गाड़ी पास आ रही थी।

मक्सी और शाजापुर के बीच रेलवे लाइन पर पुल

7141. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि मकसी और शाजापुर के बीच में 4 और 5 किलोमीटर के बीच रेलवे लाइन बिछाने से पहले पुल नहीं बनाया गया था और वर्ष 1966 में इस पुल के बनाने में 90 हजार रुपये की अतिरिक्त राशि खर्च की गई थी;

(ख) क्या यह भी सच है कि 14 और 15 किलोमीटरों के बीच कैन्टोनमेन्ट स्टेशन पर रेलवे फाटक संख्या 6 पर बरसाती पानी की निकासी के लिये पश्चिम की ओर नाली की व्यवस्था नहीं की गई है जिसके कारण वर्षों से मिट्टी के बहने की सम्भावना है; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?